10.7.17	पत्रावली आज राजस्व कैम्प कोर्ट बीजराड़ में पेश हुई। वादी वकील उप०। वादी वकील ने एक प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि वक्त अनवान जो विवादित खसरे / आराजी है इसी वाद ग्रस्त

हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनीशियल्स जज	अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	आराजी का वाद अनवान मुबारक बनाम जीयों वगैरा रा.वा.सं. 508/10 पहले से विचाराधीन है जिसकी जानकारी वादी को नहीं थी। जिसके कारण श्रीमान् के न्यायालय मे नया जूणा बनाम मूसा दर्ज करवा दिया था। जिसकी कोई आवश्यकता नहीं होने के कारण इस वाद सं 228/13 अनवान मुबारक बनाम जूणा बनाम मूसा को रा.वा. सं 508/10 मुबारक बनाम जीयों के साथ समायोजित किया जावे। प्रतिवादी जीयों के वकील को प्रार्थी का प्रार्थना स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं है। प्रार्थी द्वारा पेश प्रार्थनापत्र प्रार्थी वकील को सुना गया। पत्रावली का अध्ययन व अवलोकन किया गया प्रार्थी वकील का प्रार्थना पत्र स्वीकार कर इस वाद सं 223/13 अनवान जूणा बनाम मूसा को रा.वा.सं. 508/10 मुबारक बनाम जीयों के साथ समायोजित किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर रा.वा.सं 508/10 मुबारक बनाम जीयों के साथ संलग्न हो। संख्या से कम हो। सहायक कलक्टर चौहटन	